No. of Printed Pages : 3

एम.एच.डी.-2

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.ए. हिन्दी)

05911

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2017

एम.एच.डी.-2 : आधुनिक हिन्दी काव्य

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।*

---

1. निम्नलिखित में से किन्हीं ***तीन*** काव्यांशों की सन्दर्भ-सहित व्याख्या कीजिए : *3×12=36*

(क) है ठीक ऐसी ही दशा हत-भाग्य भारतवर्ष की,
कब से इतिश्री हो चुकी इसके अखिल उत्कर्ष की ।
पर सोच है केवल यही वह नित्य गिरता ही गया,
जबसे फिरा है दैव इससे, नित्य फिरता ही गया ।।

(ख) भारतमाता
ग्रामवासिनी !
खेतों में फैला है श्यामल
धूल भरा फैला है श्यामल
गंगा-यमुना में आँसू जल
मिट्टी की प्रतिमा
उदासिनी !

(ग) अगर मैं तुमको ललाती साँझ के नभ की अकेली तारिका
अब नहीं कहता,
या शरद के भोर की नीहार-न्हायी कुँई,
टटकी कली चम्पे की, वगैरह, तो
नहीं कारण कि मेरा हृदय उथला या सूना है
या कि मेरा प्यार मैला है ।

(घ) उसे मालूम है शब्दों के पीछे
कितने चेहरे नंगे हो चुके हैं
और हत्या अब लोगों की रुचि नहीं –
आदत बन चुकी है ।

(ङ) ये सिपाही भी कोई दूसरे हैं
पहले जो थे कुछ अदब करते थे
मेरा भी और उनका भी
अब जो हैं इतने उजड्ड हैं कि मैं
सेनाधिपति के लिए चिंतित हूँ ।

2. भारतेन्दु के काव्य की अन्तर्वस्तु को स्पष्ट कीजिए । *16*

अथवा

एक कवि के रूप में मैथिलीशरण गुप्त का मूल्यांकन कीजिए ।

3. 'कामायनी' में अभिव्यक्त आधुनिक भाव बोध और संवेदना की पड़ताल कीजिए । *16*

अथवा

मुक्तिबोध के काव्य शिल्प का विवेचन कीजिए ।

4. 'असाध्य वीणा' का प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए । *16*

अथवा

रघुवीर सहाय की कविता में निहित वैचारिक आधारों की खोज कीजिए ।

5. नागार्जुन की काव्य चेतना पर प्रकाश डालिए । *16*

अथवा

श्रीकांत वर्मा की कविताओं में अभिव्यक्त इतिहास और वर्तमान के द्वन्द्व को रेखांकित कीजिए ।